कीमत को लेकर बवाल

महाराष्ट्र में गन्ना किसानों का आंदोलन तेज

[ईटी ब्यूरो *पुणे*]

देश में चीनी का सबसे ज्यादा प्रोडक्शन वाले महाराष्ट्र में गन्ने की कीमत को लेकर किसानों का आंदोलन तेज हो गया है। राज्य सरकार ने इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है और चीनी मिलों ने आंदोलन कर रहे किसानों की डिमांड के कहीं कम गन्ने की पहली एडवांस पेमेंट करने की घोषणा की है। पिछले सप्ताह से आंदोलन ने हिंसक रूप ले लिया था। पुलिस ने सोमवार को किसानों के नेता राजू शेट्टी को हिरासत में ले लिया।

गन्ने की कीमत को लेकर विरोध-प्रदर्शन से नए पेराई सीजन की शुरुआत में देरी हो चुकी है। यह आमतौर पर नवंबर के पहले सप्ताह से शुरू हो जाता था। कोल्हापुर से सांसद राजू शेट्टी की अगुवाई में स्वाभिमानी शेतकारी संगठन और रघुनाथ पाटिल के नेतृत्व वाले शेतकारी संगठन का धड़ा 3000 रुपए प्रति टन की पहली एडवांस पेमेंट की डिमांड को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। पिछले साल के उलट सरकार इस बार किसानों और चीनी मिलों के बीच समझौता कराने से बच रही है।

महाराष्ट्र की चीनी मिलों ने आंदोलन कर रहे किसानों की डिमांड से कहीं कम गन्ने की पहली एडवांस पेमेंट करने की घोषणा की है

इस वजह से गन्ने की कीमत तय करने के लिए संबंधित जिलों में सहमति बन रही है। शोलापुर पिछले सप्ताह 2,300 रुपए प्रति टन की पहली एडवांस पेमेंट की घोषणा करने वाला पहला राज्य बना था। कोल्हापुर, सांगली और सतारा जिलों ने भी रविवार को 2,300 रुपए प्रति टन की पहली एडवांस करने की घोषणा की। राजू शेट्टी का कहना है कि इस पहली एडवांस पेमेंट को स्वीकार नहीं किया जा सकता और उनका संगठन 500 रुपए प्रति टन और कीमत के भुगतान तक मिलों को पेराई का काम शुरू नहीं करने देगा। शेतकारी संगठन ने पिछले सप्ताह महाराष्ट्र के शुगर कमिश्नर विजय सिंघल की कार चला दी थी।

इकॉनॉमिक टाइम्स

13/11/12